2019 के अकादेमी विजेता

साहित्य की दुनिया में अकादेमी पुरस्कारों का अपना ही स्थान है। हर साल 23 भारतीय भाषाओं में ये पुरस्कार दिए जाते हैं। साल 2019 के लिए इस बार हिंदी के लिए यह पुरस्कार राजस्थान के वरिष्ठ लेखक नंदकिशोर आचार्य को उनके कविता संग्रह *छीलते हुए अपने को* के लिए दिया जाएगा। जबकि इस बार अंग्रेजी के लिए शशि थरूर को उनकी पुस्तक *ऐरा ऑफ डार्कनेस* के लिए यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलेगा। थरूर कांग्रेस नेता हैं और केरल की तिरुअनंतपुरम सीट से लोकसभा सदस्य हैं। साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने बताया कि इस बार सात कविता-संग्रह, चार उपन्यास, छह कहानी-संग्रह, तीन निबंध संग्रह, एक-एक कथेतर गद्य, आत्मकथा और जीवनी के लिए पुरस्कार घोषित किए गए हैं।

इस क्रम में पुरस्कार निर्णायक समिति ने उर्दू के लिए प्रो. शाफे किदवई और पंजाबी भाषा के लिए किरपाल कजाक को चुना है। अकादेमी के अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर कंबार की अध्यक्षता में अकादेमी के कार्यकारी मंडल ने इन पुरस्कारों पर सर्वसम्मति से सहमति दी।

असमिया में जयश्री गोस्वामी महंत को *चाणक्य*, मणिपुरी में बेरिल थंगा (एल. बिरमंगल सिंह) को *ई अमादी अदुनगीगी ईठत*, तमिल में चो. धर्मन को *सूल*, तेलुगु में बंदि नारायणा स्वामी को *सेसाभूमि*, बोडो में फुकन चंद्र बसुमतारी को *आखाइ आथुमनिफ्राय*, मैथिली में कुमार मनीष अरविंद को *जिनगीक ओरिआओन करैत*, मलयालम में वी. मधुसूदनन नायर को *अचन पिरन्ना वीदु*, मराठी में अनुराधा पाटील को *कदाचित अजूनही*, कश्मीरी में अब्दुल अहद हाजिनी को *अख याद अख कयामत*, ओड़िया में तरुण कांति मिश्र को *भास्वती*, राजस्थानी में रामस्वरूप किसान को *बारीक बात* के लिए घोषित पुरस्कार 25 फरवरी 2020 को दिल्ली में अकादेमी के साहित्योत्सव में दिए जाएंगे।

आउटलुक डेस्क